साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-38 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 02 अगस्त 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

किसान और उद्योगपति दोनों लाभान्वित होंगे: मुख्यमंत्री

उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग का बजट बढ़ाकर बाजार की मांग के अनुसार गतिविधियां संचालित करें

विश्वास का तीर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से किसान और उद्योगपति दोनों लाभान्वित होंगे। इनके माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में उद्यमिता और औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। अतः उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के परस्पर समन्वय से रोजगार के अवसरों व आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस दिशा में सार्थक प्रयास किए गए हैं। किसानों के साथ उनके परिवारों को जोड़ने के लिए स्व-सहायता समूहों का भी गठन किया जाए। प्रदेश में संभाग स्तर पर हाईटेक नर्सरियां स्थापित कर आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग का बजट बढ़ाकर बाजार की माँग के अनुसार गतिविधियां संचालित की जाएं। इस दिशा में हॉर्टिकल्चर प्रमोशन एजेंसी स्थापित कर समय-सीमा व रोडमैप निर्धारित करते हुए कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा का रहे थे। बैठक में मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष सिंह, प्रमुख सचिव श्री सुखवीर सिंह तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश के संतरा, केला, पान, लहसुन आदि की राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के लिए हों प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश मसालों के उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। अतः प्रदेश में मसालों की पृथक मंडी विकसित की जाए। साथ ही मसालों की खेती का अन्य जिलों में भी विस्तार किया जाए। प्रदेश में बड़े पैमाने पर फल, सब्जी, मसालों आदि का उत्पादन होता है। अतः मध्यप्रदेश के संतरा, केला, पान, लहसुन आदि की राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जारी वृक्षारोपण अभियान में फलदार पौधे लगाने को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए। प्रदेश में फल, सब्जियों, औषधीय पौधों आदि के आर्गेनिक प्रोडक्शन, उनके डीहाइड्रेशन प्लांट व गामा रेडिएशन जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के निर्देश भी दिए गए।

बेहतर कार्य करने वालों को शासकीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि किसान को उसकी मेहनत और निवेश का पूरा लाभ मिले व परिस्थितिवश किसी भी स्थिति में उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। अतः आधुनिकतम तकनीक और शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जाएं। उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को शासकीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाए और उनकी उपलब्धियों को कार्यक्रमों में प्रदर्शित करने के साथ उनसे संवाद स्थापित करने की भी व्यवस्था हो, जिससे अन्य किसान व उद्यमी प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

प्रदेश में लगे 18 लाख फलदार पौधे

बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में केन्द्र पोषित योजनाओं, राज्य पोषित योजनाओं, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना पर प्रदेश में जारी गतिविधियों पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। बताया गया कि मध्यप्रदेश संतरा, टमाटर, धनिया, लहसुन तथा मसाला उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। किसानों की अतिरिक्त आय सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से %एक पेड़ मां के नाम% अभियान तहत प्रदेश में विभाग द्वारा 18 लाख फलदार पौधे रोपे गए।

छात्र को चाकू मारकर सवा 5 लाख लूटे

मोपेड सवार दो युवकों ने पहले एक्टिवा को टक्कर मारी, फिर बैग छीनकर भागे

विश्वास का तीर

भोपाल में दिनदहाड़े एक छात्र से सवा 5 लाख रुपए की लूट हो गई। मोपेड सवार दो आरोपियों ने पहले छात्र की एक्टिवा को टक्कर मारकर उसे गिराया, फिर पीठ में चाकू मारा। इसके बाद रुपयों से भरा बैग छीनकर भाग निकले। वारदात शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे कीलनदेव टावर चौराहे की है। छात्र बैंक से रकम निकालकर घर जा रहा था। वारदात की जानकारी मिलते ही डीसीपी प्रियंका शुक्ला और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अहमद ने करीबी दोस्त पर संदेह जताया है। उसने बताया कि दोस्त पिछले कई दिनों से उससे पैसों की मांग कर रहा था। उसे अहमद के बैंक जाने के बारे में भी जानकारी थी। अहमद ने कहा, %इसी दोस्त ने साजिश रचकर अन्य युवकों से वारदात कराई है।

पीड़ित की मां हाजरा खान ने बताया, %बेटा अहमद रजा 18 वर्ष का है। 12वीं पास करने के बाद इस साल ड्रॉप लिया है। पति अब्दुल सत्तार मार्बल का कारोबार करते हैं। खेती-किसानी भी है। मार्बल खरीदकर एक ग्राहक ने पिछले दिनों चेक से पेमेंट किया था। अहमद मालवीय नगर स्थित घर से यही चेक भुनाने बैंक गया था। एमपी नगर जोन-2 में बैंक से पैसे लेकर घर लौट रहा था।

करीबी दोस्त पर संदेह

दलबदलू विधायकों की निधि पर रोक लगाने स्पीकर को लेटर

विश्वास का तीर

एमपी में दलबदल की सियासत लगातार चल रही है। कांग्रेस ने बीना विधायक निर्मला सप्रे और विजयपुर विधायक रामनिवास रावत की विधायक निधि पर दलबदल करने की तारीख से ही रोक लगाने की मांग की है। एमपी कांग्रेस की ओर से विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र भेजा गया है। सागर और श्योपुर जिलों के कलेक्टर्स को भी पत्र की कॉपी भेजी गई है। एमपी कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने स्पीकर से मांग करते हुए लिखा है- कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव जीतकर बीना और विजयपुर क्षेत्र के विधायकों ने सार्वजनिक रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। जो कि दल बदल कानून की वैधानिक परिधि में आती है। और विधायक पद के लिए अयोग्यता की परिधि में भी आता है। आप विधि के प्रदेश में सबसे बड़े रक्षक और विधायिका के पालक हैं। जनप्रतिनिधित्व के क्षेत्र में शुचिता और नैतिकता को संरक्षण देने की आपसे अपेक्षा स्वाभाविक है। एक चैतन्य नागरिक के रुप में आपसे विनम्र आग्रह है। कि ऐसे विधायक जब तक पुन- चुनकर विधायक नहीं बन जाते तब तक भाजपा में प्रवेश की तिथि से उनके विधायक निधि के उपयोग को पूर्ण रोक लगाकर नैतिक मूल्यों को संरक्षण दें। लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस की विधायक निर्मला सप्रे ने सुरखी विधानसभा के राहतगढ़ में मुख्यमंत्री मोहन यादव के मंच पर पहुंचकर विधायक सप्रे ने भाजपा जॉइन कर ली थी। दो महीने बीतने के बाद भी निर्मला ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया है।

बिल पास कराने रिश्वत ले रहा था पीआईयू का इंजीनियर

विश्वास का तीर

लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने आज छिंदवाड़ा के पीआईयू (लोक निर्माण) के इंजीनियर को ?30000 के रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा दरअसल इंजीनियर हेमंत जैन के खिलाफ ठेकेदार साजिद अली मीर पिता सब्दर अली मीर उम्र 37 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 48 ने बिल पास कराने की एवज में 55 हजार की रिश्वत की मांग की थी जिसकी पहली किस्त आज इंजीनियर रू30000 ले रहा था तभी जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ा। लोकायुक्त डीएसपी दिलीप झरवडे ने जानकारी देते हुए बताया की शासकीय ठेकेदार

के द्वारा आईटीआई पांढुर्ना में डीजल मैकेनिक वर्कशॉप एवं बाउंड्री वाल का कार्य किया गया जिसकी निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग पी आई यू है, आवेदक के निर्माण कार्य का मूल्यांकन करने एवं बिल जमा करने के एवज में उप यंत्री पीआईयू हेमंत जैन के द्वारा रू55,000 रिश्वत की मांग की गई । जिसकी शिकायत लोकायुक्त कार्यालय जबलपुर में की गई, आज उप यंत्री पीआईयू हेमंत जैन को कार्यपालन यंत्री (भवन) पीआईयू,सिम्स क्लाइंट ऑफिस, छिंदवाड़ा मे लोकायुक्त की टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई।

ग्वालियर छोड़कर भागने वाला था, पुलिस ने घेरा तो गोली चला दी; पिस्टल जब्त

बिजनेसमैन की पत्नी की हत्या के आरोपी का एनकाउंटर

विश्वास का तीर

ग्वालियर में एक बिजनेसमैन की पत्नी की गोली मार कर हत्या करने के आरोपी को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पुलिस ने पकड़ लिया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। शुक्रवार सुबह आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जो आरोपी के पैर में लगी। हत्या के मुख्य आरोपी आकाश जादौन पर अलग-अलग थानों केस दर्ज हैं। उस पर 20 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था। पुलिस ने दूसरे आरोपी शुभम जादौन को एक दिन पहले गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, तीसरा आरोपी फरार है।

पैर में लगी पुलिस की गोली

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि गुरुवार-शुक्रवार दरमियानी रात 3:30 बजे शीतला माता रोड इलाके से आकाश जादौन गुजर रहा है। पुलिस ने नाकाबंदी कर उसे घेर लिया। पुलिस को देख आकाश ने फायरिंग कर दी। क्राइम ब्रांच की टीम ने भी काउंटर फायर किए। एक गोली आकाश के घुटने में लगी, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घायल आकाश को जयारोग्य अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है।

एसपी धर्मवीर सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने टीम को इनाम देने की घोषणा की।

बाइक और पिस्टल बरामद

बदमाश मूलतः मुरैना जिले के सबलगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस इनका क्राइम रिकॉर्ड खंगाल रही है। पूछताछ कर अन्य घटनाओं के बारे में जानकारी जुटा रही है। आकाश के पास से 32 बोर की पिस्टल और एक बाइक बरामद की है।

पुलिस बोली- तीसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार करेंगे

एसपी ने बताया कि मुख्य आरोपी आकाश जादौन शीतला माता रोड से भागने की फिराक में था। टीम ने बदमाश को पकड़ने के लिए देर रात घेराबंदी की थी। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। तीसरा साथी अभी फरार है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर के गेट पर सीने में गोली मारी थी

माधौगंज थाना क्षेत्र के प्रीतमपुरा गुढ़ा के रहने वाले संतोष गुप्ता सत्यम ट्रैवल्स के संचालक हैं। उनकी पत्नी अनीता गुप्ता (55) सोमवार दोपहर करीब 3 बजे छोटे बेटे जय के साथ डॉक्टर के पास गई थीं। दोनों एक्टिवा से घर आए। दरवाजे पर खड़े हुए थे, तभी बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाश आ गए। बदमाशों ने कट?टा दिखाते हुए जय से गले में पहनी सोने की चेन उतारने के लिए कहा। मां-बेटे ने विरोध किया, तो बदमाश ने फायर कर दिया। गोली अनीता के सीने में लगी। दोनों जैसे-तैसे घर के अंदर घुस गए और दरवाजा बंद कर लिया। बदमाश भाग गए। खून से लथपथ अनीता घर के अंदर गिर पड़ीं। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना घर के बाहर लगे ष्टष्टञ्जङ्क में रिकॉर्ड हुई है।

ताने मारे तो किया भाभी-दो भतीजियों का मर्डर

विश्वास का तीर

सागर के नेपाल पैलेस में महिला और दो बेटियों का कातिल उसका देवर ही निकला है। ताना मारने पर उसने भाभी, भतीजियों की हत्या की थी। पहले भाभी को हंसिये से मारा। बचाने आई बड़ी भतीजी पर भी हंसिया लेकर टूट पड़ा और 7 से 8 वार किए। दोनों की हत्या करने के बाद वह किचन से बेडरूम में पहुंचा और रो रही छोटी भतीजी पर पत्थर पटककर उसको मार डाला। आरोपी ने खून लगे कपड़े और हंसिया बाथरूम में जाकर बाल्टी में रख दिया। फिर बड़े भाई के कपड़े पहनकर हत्याकांड को लूट दिखाने के लिए अलमारी में रखे गहने और कैश लेकर भाग निकला। आरोपी पीडब्लूडी कर्मचारी है। पुलिस ने गहने बेचने में आरोपी का साथ देने वाले दोस्त को भी गिरफ्तार किया है।

दोस्त ने गहने बेचने में मदद की

सागर में सिविल लाइन के नेपाल पैलेस इलाके में 30 जुलाई की रात वंदना पटेल (35), बड़ी बेटी अवंतिका (7) और छोटी बेटी अन्विका पटेल (3) के शव मिले थे। मां, बड़ी बेटी के शव किचन में पड़े थे तो छोटी बेटी का शव बेडरूम में मिला था। पुलिस ने गुरुवार को मामले का खुलासा करते हुए आरोपी देवर प्रवेश पटेल (30) और उसके दोस्त प्रकाश पटेल (27) को

वंदना, मृतक | अन्विका, मृतक | अवंति, मृतक

अरेस्ट किया है। प्रवेश दमोह में पीडब्लूडी में नौकरी करता है और दमोह के सरखड़ी में रहता है। प्रकाश सागर के ही अहमदनगर का रहने वाला है। प्रभारी एसपी डॉ. संजीव उईके के मुताबिक, प्रवेश के पास से बड़े भाई विशेष की टी-शर्ट, लोअर, डोरमेट, हंसिया, पत्थर का बट?टा, सोने का हार, चांदी की 4 चूड़ियां, 10 हजार रुपए कैश और स्कूटी जब्त की गई है। प्रकाश हत्याकांड में सीधे तौर पर शामिल नहीं था, उसने गहने बेचने में मदद की थी।

भाभी ने कहा था- तुम्हारे कारण हम लोग आगे नहीं बढ़ पा रहे

प्रवेश ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि 30 जुलाई की शाम 5 बजे वह बड़े भाई विशेष पटेल के घर पहुंचा। भाभी और दो भतीजियां ही घर पर थे। भाई ड्यूटी से लौटे नहीं थे। उसने पैसों की डिमांड की। इस पर भाभी ने कहा- तुम्हारे कारण हम लोग आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। आए दिन भाई से पैसे लेते रहते हो। गुस्से में आकर प्रवेश ने भाभी को धक्का मारा। वह दीवार से टकरा गई। प्रवेश ने किचन में ही रखा हंसिया उठाया और 5 वार किए। मां को बचाने आई अवंतिका पर 7 से 8 वार किए। बेडरूम में जाकर अन्विका पर पत्थर का बट?टा पटककर उसे भी मार डाला।

कपड़े बदले, पत्थर दूसरे कमरे में छिपाया

भाभी-भतीजियों की हत्या के बाद प्रवेश ने खून लगे कपड़े और हंसिया बाथरूम में जाकर पानी से भरी बाल्टी में डाल दिया। खून के धब्बे साफ करने की कोशिश की। खून लगा पत्थर दूसरे कमरे में ले जाकर छिपा दिया। इसके बाद बड़े भाई विशेष के कपड़े पहने। गहने-कैश समेटकर भाग निकला। वह सीधा दोस्त प्रकाश के पास पहुंचा। प्रकाश की मदद से उसने कुछ गहने 97 हजार रुपए में बेचे। प्रकाश से लिया हुआ कर्ज चुकाया और दमोह चला गया। पुलिस के मुताबिक, प्रवेश घटना वाले दिन सुबह ही दमोह से सागर आया था।

आलेख

संसद में जाति पर जारी सियासी जंग के राजनीतिक मायने को ऐसे समझिए

वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो %जाति% कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है। पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके %चतुरसुजान% नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक

मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया। तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वत: संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी कालीदासी विद्वत्ता का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा। खास बात यह कि इस देश में जाति और जातीय आरक्षण की जो अवधारणा तय की गई है, सवर्ण-पिछड़ा-दलित-आदिवासी और उनकी गरीबी के अलावा अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक के जो मानदंड तय किये गए हैं, वो तार्किक कम, प्रतिशोधी ज्यादा प्रतीत होते हैं। लेकिन क्या मजाल कि कोई इन्हें गलत ठहरा दे या उनमें संशोधन की बात करे। इससे तो यही लगता है कि संविधान निर्माताओं से लेकर संविधान के कथित संरक्षकों और संसद में पिछले लगभग 8 दशक से बैठ रहे अधिकांश माननीयों ने जनतांत्रिक कुएं में पड़ी भांग पी ली है, जिन्हें तर्क और तथ्य से कोई वास्ता नहीं, बस पददलित जनमानस पर निरंतर बिहंसते जा रहे हैं! चतुर्थ, कुछ यही हाल राष्ट्र में जनमत निर्धारण करने में अमूल्य सहयोग देने वाली समग्र मीडिया इकाइयों और उसके अदूरदर्शी सम्पादकों का भी है, जिन्होंने वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता की बजाय पक्षधरता भरी रिपोर्टिंग की और नीर-क्षीर विवेक वाक विद्या को सियासतदानों के मन के मुताबिक जैसे तैसे परिभाषित किया। इससे जहां जनता गफलत में रही, वहीं संवैधानिक सिपहसालार मजे में! परन्तु कोढ़ में खाज यह कि जाति/सम्प्रदाय जैसे जनहित के मुद्दे जहां के तहां मील के पत्थर की तरह यथावत बने रहे। इसलिए हमारे राजनेता अपने मन के मुताबिक इनकी तरह तरह की व्याख्या करने में सफल हो जाते हैं, जिससे राष्ट्रहित प्रभावित होता है। पांचवां, फिलवक्त भारतीय संसद के निम्न सदन लोकसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा, वह यदि सही नहीं है तो ज्यादा गलत भी नहीं है! लिहाजा, इस मुद्दे पर आधुनिक सोच विकसित करनी चाहिए। साथ ही कतिपय संवैधानिक/कानूनी कमियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि कभी भारतीय समाज को माला की तरह जोड़ने वाली जाति प्रथा आरक्षण उत्प्रेरित सामाजिक टूट की वजह न बन जाये। जैसा कि महसूस किया जा रहा है इसलिए आरक्षण के आधार को जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार का किया जाना चाहिए, इसे रोटेशनल बनाकर सबको लाभान्वित किया जाना चाहिए, जो न्यायिक तर्क/वितर्क के मद्देनजर आसान नहीं लगता है। छठा, उल्लेखनीय कि 30 जुलाई 2024 मंगलवार को अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि, जिन्हें अपनी जाति के बारे में भी नहीं पता है वो जाति जनगणना की बात करते हैं। यह बात एक हद तक सही भी प्रतीत हो रही है! इसलिए ऐसे लोगों की जाति व धर्म के लिए भारत में स्पष्ट कानूनी प्रावधान तय किए जाने की जरूरत है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर खरा हो। क्योंकि वैदिक जाति या धर्म की अवधारणा पूरी तरह से वैज्ञानिक है, जिसकी उपेक्षा संवैधानिक भारत में होना आम बात बन चुकी है। सातवां, राहुल गांधी पर सदन में हमला बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने इसके पहले ये भी कहा था कि असत्य के पैर नहीं होते हैं, जिसके चलते ये कांग्रेस के कंधे पर सवारी करता है। जैसे मदारी के कंधे पर बंदर सवारी करता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर असत्य का बंडल होता है। तभी तो अनुराग ठाकुर की इन टिप्पणियों पर सदन में हंगामा बढ़ गया। इसलिए सीधा सवाल है कि अनुराग ठाकुर के इस बयान के बाद सदन में जो जमकर हंगामा शुरू हो गया और कांग्रेस के सांसद वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे, वह कितना जायज है? क्या इसे टाला नहीं जा सकता है।

संपादकीय

राहुल गांधी की विभाजनकारी राजनीति और बेतुकें तर्क

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में राहुल गांधी जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। प्रश्न है कि कब राहुल गांधी इस महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारी वाले पद पर रहते हुए उसके साथ न्याय करेंगे? वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने महाभारतकालीन चक्रव्यूह और पद्म व्यूह का सहारा लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधना चाहा है। जिस तरह से उन्होंने बजट पूर्व हलवा परम्परा में वित्तमंत्री के साथ खड़े लोगों को जाति आधारित संरचना बताया वह कहीं से भी तार्किक नहीं लगता। इस सेरेमनी में तो उस वक्त मंत्रालय के जो सीनियर अफ़सर होते हैं, वे ही मौजूद रहते हैं। इसमें जातिवाद कहाँ से आया? यह बात समझ से परे है। यही वजह है कि हलवा परम्परा की जब राहुल गांधी अपनी तरह से विवेचना कर रहे थे, तब वित्त मंत्री ने माथा पकड़ लिया था। राहुल गांधी ने जो तुलनाएँ की, वे निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है। लोकसभा में आम बजट पर चर्चा करते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपना पुराना आरोप नए सिरे से दोहराया कि बजट बनाने वालों में कोई एससी-एसटी और ओबीसी अधिकारी नहीं होता, उससे यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वह समाज को बांटने वाली विभाजनकारी राजनीति पर अड़े हैं। इस तरह की बेतुकी बातें करते हुए वे क्यों नहीं समझना चाहते कि ऐसी स्थिति और इस तरह की परम्परा कांग्रेस की तत्कालीन सरकारों के समय से ही चली आ रही है। कांग्रेस ही इसकी जिम्मेदार हैं, लेकिन वह कुछ समझने के लिए तैयार ही नहीं। राहुल गांधी एक तरह से यह कहना चाह रहे हैं कि अनारक्षित वर्गों के अधिकारी आरक्षित वर्गों के हितों की उपेक्षा करते हैं। इस तरह वे देश की परम्पराओं एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के समझे बिना ऐसा कुछ कह जाते है जो देश की एकता, अखण्डता एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विपरीत होता है। राहुल के बोलने का बचकानापन तो कभी-कभी सारी हदें पार कर जाता है। एक बार तो उन्होंने यहां तक कह दिया हैं कि उच्च जाति के शिक्षक प्रश्नपत्र बनाते हैं, इसलिए आरक्षित वर्ग के छात्र फेल हो जाते हैं। आखिर यह भड़काऊ राजनीति नहीं तो और क्या है?

विवाद के बाद पुलिस ने हिरासत में लिया, फिर आरोपी को सौंप दिया; रात में मिली लाश

9वीं के छात्र की हत्या, सीने पर नुकीले हथियार के निशान

विश्वास का तीर

भोपाल में 9वीं के छात्र की हत्या कर दी गई। उसके सीने पर नुकीले हथियार के निशान हैं। 16 साल के लड़के का एक युवक से झगड़ा हुआ था। शिकायत पर पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लिया। पुलिस ने नाबालिग के परिजन को थाने बुलाया। जब परिजन नहीं पहुंचे, तो उसे आरोपी को ही सौंप दिया। रात में लड़के की लाश घर के पास मिली। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में नुकीले हथियार मारकर मौत का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी को भी हिरासत में लिया है। वारदात गुरुवार रात टीटी नगर इलाके की अर्जुन नगर बस्ती की है। मृतक ब्रजकांत (16) पिता ब्रजलोचन पांडे निवासी अर्जुन नगर है।

नाबालिग पर भी अड़ीबाजी का केस

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने बताया, 'ब्रजकांत (16) और आरोपी सोनू बाथम (18) के बीच वर्चस्व को लेकर विवाद था। दोनों अर्जुन नगर बस्ती की गली नंबर एक में रहते हैं। गुरुवार दोपहर उनके बीच झगड़ा हो गया। ब्रजकांत ने सोनू को पत्थर मार दिया था। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया। बाद में सोनू अपने पिता के साथ शिकायत लेकर टीटीनगर थाने पहुंचा। पीछे से ब्रजकांत भी आ गया। यहां भी दोनों के बीच बहस हुई। पुलिस ने ब्रजकांत को हिरासत

बृजकांत पांडे, मृतक

में लेकर पिता को कॉल किया। उन्हें थाने आने के लिए भी कहा। ब्रजकांत के पिता ने आने में असमर्थता जताई। उन्होंने यहां तक कह दिया कि चाहें तो बेटे को जेल भेज दो। अन्य रिश्तेदारों को भी कॉल किया, उन्होंने भी आने से इनकार कर दिया। बाद में ब्रजकांत को क्षेत्र में ही रहने वाले भूरा, सोनू और उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। दोनों पक्षों को समझाइश भी दी।

सबक सिखाने की नीयत से वारदात

सोनू ने ब्रजकांत को सबक सिखाने का मन बना लिया। रात करीब 10:30 बजे ब्रजकांत घर के पास खड़ा था। इसी दौरान सोनू ने उस पर नुकीले हथियार से वार कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना के बाद दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने हो गए। समझाइश देकर मामला शांत कराया। लहूलुहान हालत में घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ब्रजकांत पर भी अड़ीबाजी का केस दर्ज है। वहीं, आरोपी सोनू पर भी चार से पांच केस हैं।

पिता बोले- इकलौता बेटा था

ब्रजकांत के पिता ब्रजलोचन पांडे ने बताया, 'ब्रजकांत पांडे प्राइवेट स्कूल में 9वीं की पढ़ाई कर रहा था। मैं वन विभाग में फोर्थ क्लास कर्मचारी हूं। ब्रजकांत इकलौता बेटा था। दो अन्य बेटियां भी हैं। बस्ती में रहने वाला सोनू बाथम आपराधिक प्रवृत्ति का है। दोपहर में पुलिस ने कॉल कर बेटे को पकड़ने की बात बताई। मैं उस वक्त ऑफिस में था। शाम तक थाने आने की बात कही। इस बीच, पुलिस ने बेटे को भूरा और सोनू को सौंप दिया। इसकी जानकारी हमें नहीं थी। रात में बेटे का शव मिला। सीने पर गुप्ती या पेंचकश जैसे हथियार से वार किए जाने का निशान था।'

पुलिस पर भी लगाया आरोप

ब्रजलोचन पांडे का कहना है 'पुलिस ने बताया था हम जैसा बताएंगे, वही एफआईआर में लिखवाना होगा। उन पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई होना चाहिए। जिन्होंने बेटे को थाने में रखा। हमें बिना सूचना दिए उसे आरोपियों को सौंप दिया। सब पर कार्रवाई होनी चाहिए।'

महिला बोली- किसी ने छू लिया तो बेटा नहीं होगा

विश्वास का तीर

दमोह में बेटे की चाह में एक परिवार बंदेज नामक अंधविश्वास में उलझ गया। कपल बेटा चाहते थे, ऐसे में वे ओझा (बाबा) के चक्कर में पढ़ गए। बाबा ने बंदेज करते हुए महिला से कहा- अब सबसे दूरी बना लो। यदि किसी बाहरी ने टच किया तो तुम्हें कभी बेटा नहीं होगा। ओझा की बात मानकर महिला ने खुद को सबसे दूर कर लिया। वह रोजमर्रा के अपने काम तो करती थी, लेकिन न किसी से मिलती न ही कोई उसे छू सकता था। समय पर इलाज नहीं मिल पाने से उसका हीमाग्लोबिन गिरकर 3.6 ग्राम पर आ गया। सीवियर एनीमिया की शिकार हो गई। स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने डिलीवरी के एक दिन पहले जैसे-तैसे उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे ब्लड चढ़ाकर प्रसव करवाया गया। डॉक्टर का कहना है ऐसे केस में जान जाने का भी खतरा होता है।

6 बेटियों के बाद बेटे की चाह

कृपाल आदिवासी अपनी पत्नी कमलेशरानी आदिवासी के साथ अमझेर गांव में रहता है। इसके पहले पत्नी 6 बार गर्भवती हुई। उसकी चार बेटियां जीवित हैं। एक की मौत हो गई है, जबकि एक का अबॉर्शन हो गया था। जिसका अबॉर्शन हुआ था, वह भी बेटी ही थी। 6 बेटियों के बाद पत्नी 7वीं बार गर्भवती हुई तो दोनों को फिर से बेटे की चाह जाग गई। वे ओझा के पास चले गए। ओझा ने बंदेज किया और कहा- तुम्हें बाहरी दुनिया से संपर्क खत्म करना होगा, यानी सबसे दूरी। महिला ने उसकी बात मान ली और वैसा किया, इस बंदेज के कारण उसने अपने साथ बच्चे की जान को भी खतरे में डाल दिया।

महिला के बारे में मीटिंग में पता चला

सीबीएमओ उमाशंकर पटेल ने बताया कि 21 तारीख को मडियादो में सेक्टर समिति की बैठक थी। मीटिंग में कुंझा सीएचओ ने बताया कि अमझेर गांव की रहने वाली कमलेशरानी आदिवासी (38) प्रेग्नेंट है और उसका 9वां महीना चल रहा है। वह 7वीं बार प्रेग्नेंट है। महिला हाई पर रिस्क है, उसे सीवियर एनीमिया है। हालत बहुत खराब है। इस घटना को गंभीरता से लिया गया। अगले दिन सोमवार को सिविल अस्पताल से पीसीएम देवेंद्र सिंह और अंतरा फाउंडेशन से धीरेंद्र जी को भेजा गया। उन्हें कहा गया कि आप गांव जाकर महिला को किसी भी तरह से सिविल अस्पताल या जिला अस्पताल में भर्ती करवाइए। टीम गांव पहुंची और महिला और उसके पति की काउंसिलिंग की। पहले तो महिला ने अस्पताल में भर्ती होने से मना कर दिया, लेकिन समझाइश और दोनों को जान का खतरा बताने पर वह तैयार हो गई। टीम उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंची। सबसे पहले उसे ब्लड चढ़ाया गया। अगले दिन उसने बेटे को जन्म दिया। जिसका वजन 3 किलोग्राम है।

महिला बोली- बंदेज में हूं, कहीं नहीं जाऊंगी

आशा सुपरवाइजर मनीषा अहिरवार ने बताया कि गांववाले आज भी रूढ़ीवादी प्रथा को बहुत मानते हैं। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। बंदेज प्रथा के कारण कई बार बहुत समस्या आती है। कमलेशरानी पति कृपाल आदिवासी भी इनमें से एक हैं। वह प्रेग्नेंट हुई तो हमने उसे स्वास्थ्य केंद्र आकर जांच करवाने और दवाई लेने को कहा। महिला का हीमोग्लोबिन पहले से ही कम था। वह एनीमिया से पीड़ित थी। जब भी हम घर जाते तो महिला और परिजन कहते- हमने बंदेज करवाया है। हम कहीं नहीं जाएंगे, आप बार-बार घर आकर हमें परेशान मत करिए। महिला का कहना था कि यदि वह सेंटर गई और किसी ने छू लिया तो फिर से लड़की हो जाएगी। मुझे इस बार लड़की नहीं लड़का चाहिए।

उप-मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रालय में वाणिज्यिक कर विभाग की समीक्षा की।

हथौड़ा निकालने कुएं में उतरे 4 लोगों की मौत

छतरपुर में जहरीली गैस से गई जान; मृतकों में 3 एक ही परिवार के

विश्वास का तीर

छतरपुर में कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने से 4 लोगों की मौत हो गई। गड़ी मलहरा के कुर्राहा गांव में एक घर के पीछे कुएं को ढंकने का काम चल रहा था। इसी दौरान हथौड़ा कुएं में गिर गया। एक के बाद एक ग्रामीण कुएं में उतरे और उनकी जान चली गई। परिजनों का कहना है कि रेस्क्यू समय पर शुरू हो जाता और एम्बुलेंस आ जाती तो जान बच सकती थी। ग्रामीणों ने बताया, शेख वसीर (60) अपने घर में निर्माण कार्य करा रहे थे। सुबह करीब 9 बजे मिस्त्री मुन्ना कुशवाहा (45) कुएं को कांक्रीट से ढंक रहा था, इसी दौरान उसके हाथ से हथौड़ा कुएं में गिर गया। वह हथौड़ा निकालने के लिए नीचे उतरा था। फिर शेख वसीर कुएं में गए। वे भी बाहर नहीं आए तो एक-एक कर उनके दोनों बेटे शेख असलम (37) और भतीजा अलताब (21) भी कुएं में गए। जब चारों बाहर नहीं आए, तो अनहोनी की आशंका पर मौके पर भीड़ लग गई।

समय पर न पुलिस आई, न एम्बुलेंस

मृतकों के परिजनों का कहना है कि डायल 100 और एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन काफी देर दोनों ही मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद कुछ लोग पुलिस थाने गए। इस दौरान ग्रामीणों ने रेस्क्यू शुरू कर दिया। दो शवों को निकालने के दौरान थाने गए लोग डायल 100 में बैठकर लौटे। जब चारों शव निकाल लिए गए, तब जाकर एम्बुलेंस पहुंची। एम्बुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं थी।

पीड़ितों से मिले अधिकारी

अपर कलेक्टर मिलन्द नागदेव, एडिशनल एसपी विक्रम सिंह, सिविल सर्जन जीएल अहिरवार दोपहर 1.40 बजे मृतकों के परिजनों से मिलने पीएम हाउस पहुंचे। अपर कलेक्टर ने बताया, जो भी शासन की ओर से मदद दी जा सकेगी वह दी जाएगी। वहीं, एएसपी विक्रम सिंह ने कहा कि पुलिस के मौके पर नहीं पहुंचने वाली बात गलत है। गांव दूरी पर है। इसलिए थोड़ा समय लगा होगा।

वीडी बोले-वर्ल्ड हेरिटेज खजुराहो में 30 बेड का अस्पताल नहीं

संसद में कहा-बुन्देलखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं का संकट, एम्स की स्थापना हो

विश्वास का तीर

लोकसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बुन्देलखंड क्षेत्र में अच्छे अस्पताल और स्वास्थ्य सुविधाएं ना होने का मामला उठाया। स्वास्थ्य पर चर्चा के दौरान खजुराहो सांसद और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा मैं बुन्देलखंड क्षेत्र में खजुराहो से सांसद हूं। बुन्देलखंड का संपूर्ण क्षेत्र स्वास्थ्य की दृष्टि से पीछे है। खजुराहो वर्ल्ड हेरिटेज है पीएम जी की आईकोनिक सिटी है। वहां पर 30 बिस्तर का अस्पताल ना होने से विदेशी पर्यटकों को परेशानी होती है। वीडी ने खजुराहो संसदीय क्षेत्र में एम्स की स्थापना करने की मांग रखी।

नेशनल एवरेज के हिसाब से बुन्देलखंड में स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं

वीडी शर्मा ने कहा- (नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे) की रिपोर्ट के मुताबिक बुन्देलखंड क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत की दृष्टि से स्वास्थ्य की सुविधाओं में घनत्व बहुत कम है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हों या अन्य स्वास्थ्य के केन्द्र हों उनके बारे में चिंता व्यक्त की गई है। बुन्देलखंड क्षेत्र में 500 किलोमीटर तक गुणवत्तापूर्ण

स्वास्थ्य सुविधाएं ना होने के चलते परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस क्षेत्र में रेफरल स्वास्थ्य सेवाएं भी लगभग नगण्य हैं। इस क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए भोपाल, इंदौर नागपुर जाना पड़ता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से इस क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खजुराहो संसदीय क्षेत्र के तीन जिलों में मेडिकल कॉलेज नहीं

वीडी शर्मा ने कहा- मेरे संसदीय क्षेत्र खजुराहो में तीन जिले आते हैं। इन तीनों जिलों में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं हैं। बुन्देलखंड क्षेत्र में यूपी का हिस्सा भी आता है। सागर दतिया और झांसी में मेडिकल कॉलेज हैं। लेकिन बाकी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज ना होने से परेशानी आ रही है। खजुराहो वर्ल्ड हेरिटेज है पीएम की आईकोनिक सिटी है। वहां पर 30 बिस्तर का अस्पताल ना होने से विदेशी पर्यटकों को परेशानी होती है। जी-20 की बैठक प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद से खजुराहो में हुई। एम्स की सुविधा जो देश के अन्य क्षेत्रों में मिल रही है। बुन्देलखंड क्षेत्र के खजुराहो जहां एयर कनेक्टिविटी है।रोड कनेक्टिविटी भी है। बुन्देलखंड में एम्स की सुविधा हो तो लोगों को मदद मिल सकेगी।

योगा नेचुरोपैथी का ऑल इंडिया सेंटर स्थापित किया जाए

वीडी ने कहा- खजुराहो क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जो मेडिकल कॉलेजों को सुविधा मिलती है। बुन्देलखंड के अस्पतालों में आयुष्मान योजना से वैसी सुविधा दी जाए। खजुराहो में सांस्कृतिक और अध्यात्म का केन्द्र है। जीरो पॉल्यूशन का क्षेत्र है। प्राकृतिक क्षेत्र होने के कारण खजुराहो में योग और नेचुरोपैथी का ऑल इंडिया सेंटर खुलने का प्रस्ताव है। ऑल इंडिया का सेंटर बने या सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाई जाए।

चलती बाइक पर युवक को लगी गोली, थाने का घेराव

जबलपुर में सड़क पर दो पक्षों में फायरिंग-पत्थरबाजी; राहगीर की मौत हो गई

विश्वास का तीर

जबलपुर में चलती बाइक पर युवक को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक अपने दोस्तों के साथ सड़क पर दो पक्षों के बीच हो रही फायरिंग और पत्थरबाजी देखने रुका था। वह जाने लगा, तभी अचानक गोली और पत्थर उसके माथे पर आकर लगे। घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे नवीन दुर्गा मंदिर के पास की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बलवा और हत्या का केस दर्ज किया है। इस वारदात को लेकर पूर्व मंत्री अंचल सोनकर सहित सैकड़ों लोगों ने जबलपुर के घमापुर थाने का घेराव कर दिया और विरोध जताया। राकेश गोटिया (32) चांदमारी में परिवार के साथ रहता था। राकेश इलेक्ट्रॉनिक कंपनी में सेल्समैन था। घुमापुर थाना प्रभारी सतीश अंधवान ने बताया, 'राकेश रात में अपने दोस्तों के साथ बाइक से जा रहा था। बाइक राकेश चला रहा था। नवीन दुर्गा मंदिर के पास बीच सड़क पर यश, अनमोल का करण और शिवा का किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। दोनों पक्ष बीच पथराव हो रहा था। यश के पास पिस्टल थी। विवाद होते देख कुछ देर के लिए राकेश ने बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी। काफी देर तक दोनों

राकेश कुमार, मृतक

पक्षों का विवाद होता रहा, तो राकेश साइड से बाइक निकालने लगा। इसी दौरान अचानक उनके ऊपर पथराव होने लगा। जैसे-तैसे बचते हुए आगे बढ़े ही थे कि राकेश के सिर पर गोली लग गई। इससे तीनों बाइक समेत गिर गए। राकेश के सिर से खून निकलते देख शुभम और सन्नी उसे जिला अस्पताल ले गए।'

डेढ़ घंटे पहले भाई ने किया था फोन

राकेश के भाई अमृत ने बताया, 'गुरुवार शाम राकेश (32) अपने दोस्त सन्नी की ससुराल ग्वारीघाट जाने की बात कहकर निकला था। उसके साथ रात करीब साढ़े 11 बजे फोन कर पूछा, तो राकेश ने बताया कि वह घर के लिए निकल रहा है। एक घंटे में पहुंच जाएगा। रात में करीब 1:30 बजे सन्नी का फोन आता है कि जिला अस्पताल आ जाओ, राकेश का एक्सीडेंट हो गया है। यहां पहुंचे, तो उसकी मौत हो चुकी थी।'

आरोपियों की तलाश के लिए बनाई तीन टीमें

सीएसपी राजेश कुमार राठौर का कहना है कि सन्नी गोटिया की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ हत्या और बलवा का मामला दर्ज किया है। आरोपियों को पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया है।

जबलपुर में घमापुर थाने का घेराव

राकेश गोटिया की हत्या को लेकर पूर्व मंत्री अंचल सोनकर सहित सैकड़ों लोगों ने घमापुर थाने का घेराव किया और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व मंत्री का कहना है कि यहां पर अपराधी खुलेआम लोगों की हत्या कर रहे हैं और पुलिस मौन बैठी हुई है। घमापुर थाना पुलिस का कहना है कि राकेश गोटिया हत्या मामले में एक आरोपी शिवा को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश की जा रही है।

इन शब्दों का संबंध अधर्म से...

शिवराज बोले-कांग्रेस को शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह क्यों याद आते हैं

विश्वास का तीर

संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार (2 अगस्त) को दसवां दिन है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा में शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर कटाक्ष किया। शिवराज ने कहा- कांग्रेस को याद आए तो भी शकुनि याद आए। शकुनि, चौसर, चक्रव्यूह इन सारे शब्दों का संबंध अधर्म से है... जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। उन्होंने आगे कहा कि शकुनि छल, धोखे और कपट के प्रतीक थे। चौसर में थे तो धोखे से ही हराया गया था। चक्रव्यूह मतलब घेर के मारना। अब कांग्रेस को क्यों चक्रव्यूह, शकुनि, चौसर ही याद आते हैं। शिवराज ने आगे कहा कि हम जब महाभारत काल में जाते हैं तो भगवान श्रीकृष्ण याद आते हैं। शिवराज का ये बयान राहुल गांधी के उस बयान पर आया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार के बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की थी। राहुल ने कहा था कि महाभारत में अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है।

शिवराज सिंह बोले- कांग्रेस के डीएनए में किसान का विरोध है

शिवराज ने कहा- कांग्रेस के डीएनए में किसान विरोध है। कांग्रेस की प्राथमिकताएं प्रारंभ से ही गलत रहीं। जवाहरलाल नेहरू 17 साल देश के प्रधानमंत्री रहे। तब देश को अमेरिका से आया सड़ा हुआ लाल गेहूं खाने को विवश होना पड़ता था। इंदिरा गांधी के समय किसानों से जबरन लेवी वसूली का काम होता था।

राहुल ने कहा था- केंद्र का बजट महाभारत के चक्रव्यूह जैसा

29 जुलाई को मानसून सत्र के छठवें दिन लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट की तुलना महाभारत के चक्रव्यूह से की थी। राहुल ने लोकसभा में कुल 46 मिनट भाषण दिया। इसमें 4 बार अडाणी-अंबानी का नाम लिया, दो बार मुंह पर उंगली रखी। स्पीकर ने भाषण के दौरान राहुल को 4 बार टोका था। राहुल ने जब हलवा सेरेमनी का पोस्टर लहराया, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिर पकड़ लिया था। राहुल ने कहा था हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर 6 लोगों ने मारा था। चक्रव्यूह का दूसरा नाम है- पद्मव्यूह, जो कमल के फूल के शेप में होता है। इसके अंदर डर और हिंसा होती है। 21वीं सदी में एक नया %चक्रव्यूह% रचा गया है- वह भी कमल के फूल के रूप में तैयार हुआ है। इसका चिह्न प्रधानमंत्री अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। अभिमन्यु के साथ जो किया गया, वह भारत के साथ किया जा रहा है। आज चक्रव्यूह के बीच में 6 लोग हैं। ये 6 लोग- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजित डोभाल, अडाणी और अंबानी हैं।

दिल्ली शेल्टर होम में 20 दिन में 13 की मौत: इनमें ज्यादातर महिलाएं, आशा किरण का मामला

विश्वास का तीर

दिल्ली के एक शेल्टर होम में पिछले 20 दिनों के दौरान 13 लोगों की मौत हो गई है। मामला रोहिणी स्थित आशा किरण शेल्टर होम का है। यह दिल्ली सरकार की तरफ से संचालित एकमात्र संस्था है, जहां मानसिक रूप से कमजोर लोगों की देखभाल की जाती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 जुलाई से 31 जुलाई के बीच यहां 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें 10 महिलाएं और दो पुरुष हैं। 1 जुलाई से 15 जुलाई के बीच एक और शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया था, जिसके कारण मरने वालों का आंकड़ा 13 बताया जा रहा है। दिल्ली सरकार ने शेल्टर होम में अचानक इतने लोगों की मौत के कारणों की जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री आतिशी ने शुक्रवार (2 अगस्त) को राजस्व विभाग को मजिस्ट्रेट जांच करने और 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

मृतकों के आंकड़े को लेकर अलग-अलग दावे

मृतकों के आंकड़े को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से अब तक शेल्टर होम में 27 बच्चों की मौत हुई है। सब डिविजनल मजिस्ट्रेट की जांच में शेल्टर होम में मौतों का खुलासा हुआ है। हालांकि, दिल्ली सरकार ने शेल्टर होम में जनवरी से अब तक 14 मौतों की बात कही है। मौतों का असली कारण फिलहाल पता नहीं चल सका है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मरने वाले लोगों में दस्त और उल्टी के एक जैसे लक्षण थे। आशा किरण मेडिकल केयर सेंटर के डेटा के अनुसार जनवरी 2024 से हर महीने 2-3 मौतें हो रही हैं लेकिन जुलाई में ये आंकड़ा तेजी से बढ़ा।

क्षमता से ज्यादा लोगों का इलाज कर रहा शेल्टर होम

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार साल 1989 में बने इस शेल्टर होम में 500 लोगों के भर्ती होने की क्षमता है लेकिन यहां 1000 लोग भर्ती हैं। इनके इलाज के लिए यहां सिर्फ छह डॉक्टर और 17 नर्स हैं। शेल्टर होम में 10 डॉर्मेट्री पुरुषों के लिए और 10 महिलाओं के लिए बनी हैं।

जिम्मेदार बोले- मामला संज्ञान में है लेकिन इतने लोग नहीं मरे

मामला समाज कल्याण विभाग की डायरेक्टर अंजली सेहरावत के संज्ञान में है लेकिन 15 दिन में 12 मौतों की बात से वे इंकार करती हैं। हालांकि उन्होंने कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं कराया है। सेहरावत ने कहा कि मौत में वृद्धि हुई है लेकिन इसके कई कारण हो सकते हैं। 15 जुलाई के बाद हमें मरीजों में डायरिया के लक्षण ज्यादा मिले थे। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन दिनों गर्मी और उमस काफी ज्यादा थी। सेहरावत ने बताया कि इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम ने पानी के नमूने लिए हैं। इसके अलावा हम यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या बच्चों को बाहर से खाना दिया गया था। इस सप्ताह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी आ जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आयुष राजपूत द्वारा कविता आर्पफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636